**प्रेस विज्ञप्ति**

# इरेडा ने 13वीं स्टेकहोल्डर्स की इंटरेक्शन बैठक आयोजित की

# हितधारकों ने इरेडा की यथाशीघ्र वित्तीय रिपोर्टिंग और प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों की सराहना की

**नई दिल्ली, 12 मई 2023**

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था (इरेडा) ने आज अपनी 13वीं स्टेकहोल्डर्स की इंटरेक्शन बैठक का आयोजन किया, जिसमें नई पहल, भविष्य की योजनाओं पर चर्चा को प्रोत्साहित किया गया और प्रतिष्ठित व्यवसाय भागीदारों से फीडबैक ली गई। इरेडा के सीएमडी, श्री प्रदीप कुमार दास ने बैठक की अध्यक्षता की जोकि एक वर्चुअल प्लैटफ़ोर्म के माध्यम से हुई और इसमें व्यापक रूप से भागीदारी की सुविधा थी।

हितधारकों की यह बैठक एक व्यापक रूप से प्रस्तुतिकारण के साथ शुरू हुई, जिसमें इरेडा के ऐतिहासिक वित्तीय परिणामों हाईलाइट, हाल की उपलब्धियों, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए की गई प्रमुख पहलों और पिछली बातचीत बैठकों के दौरान प्राप्त सुझावों के प्रभावी कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला गया। इसमें आरई क्षेत्र के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के अनुरूप भविष्य की योजनाओं पर भी जोर दिया गया। इसके बाद, एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिससे हितधारकों को सीधे सीएमडी और इरेडा टीम के साथ जुड़ने के लिए सक्षम बनाया गया।

अपनी प्रारंभिक अभ्युक्ति में, इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा हाल ही में रेपो दर में वृद्धि के बावजूद, प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण प्रदान करके उधारकर्ताओं का समर्थन करने के लिए संगठन की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने आगे आईसीआरए द्वारा इरेडा की क्रेडिट रेटिंग के अपग्रेडेशन पर प्रकाश डाला और इसकी रेटिंग को 'एए+' (आउटलुक: पॉजिटिव) से 'एएए' (आउटलुक: स्टेबल) तक बढ़ा दिया और आरबीआई द्वारा इरेडा को 'इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (आईएफसी)' का दर्जा दिया गया। यह अपग्रेड स्थिति इरेडा को कम ब्याज दरों पर धन सुरक्षित करता है, जिसके परिणामस्वरूप लागत बचत को सीधे उधारकर्ताओं को दी जाती है।

श्री दास ने सभी हितधारकों से पिछली बातचीत बैठकों से प्राप्त अमूल्य योगदान को पहचानते हुए अपनी बहुमूल्य फीडबैक प्रदान करना जारी रखने का आग्रह किया। इन इनपुट्स ने "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" को बढ़ाने, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और ऋण स्वीकृति, प्रलेखन और संवितरण साइकल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हितधारकों ने सेबी की अनिवार्य 60 दिनों की समय सीमा को ध्यान में रखते हुए प्रभावशाली रूप से 25-दिनों की समय-सीमा के भीतर अपने वार्षिक लेखा-परीक्षित वित्तीय परिणामों को प्रकाशित करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का प्रतिष्ठान (पीएसयू) बनने की इरेडा की असाधारण उपलब्धि के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। उन्होंने अपने हितधारकों की जरूरतों और आकांक्षाओं की समझ को दर्शाते हुए प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों और हैंडहोल्डिंग समर्थन प्रदान करने के लिए इरेडा की प्रतिबद्धता को भी मान्यता दी।

कुल मिलाकर, हितधारकों की बैठक सफल रही और इसने देश में नवीकरणीय ऊर्जा विकास को बढ़ावा देने के लिए इरेडा की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। इरेडा सभी के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अपने व्यवसाय भागीदारों के साथ काम करना जारी रखेगी।